संपादकीय

उम्र का तकाजा, अनुभव की बेकद्री

बड़ों का आदर करने की सीख सिर्फ बचपन में स्कूल में ही नहीं दी जाती जी। चुनाव में भी दी जाती है। जो लोग सिर्फ यही मानते हैं कि चुनाव में सिर्फ विरोधियों को गालियां ही दी जाती हैं और बस आचार संहिता ही तोड़ी जाती है, उन्हें यह समझाना मुश्किल है कि भैया बड़ों का आदर करना भी चुनाव में ही सिखाया जाता है। जैसे इन दिनों हर कोई भाजपा वालों को सीख दे रहा है कि भले लोगों आडवाणीजी और जोशीजी को अगर थोड़े आदर-सत्कार से रख लेते तो तुम्हारा क्या बिगड़ जाता। मार्गदर्शक मंडल बनाकर उनकी चारपाई तो बरामदे में डाल ही दी थी, कुछ दिन और पड़ी रहने देते। उनके खांसते रहने से थोड़ी पहरेदारी ही रहती। नुकसान क्या था बताओ?

भाजपा वाले भी बेचारे वैसे ही शर्माए से घूम रहे हैं जैसे कई बार ऐसे लोगों का गांव में निकलना मुश्किल हो जाता है, जिनके बारे में यह खुसर-पुसर शुरू हो जाती है कि उनके घर में बुजुर्गवार की तो कोई कद्र ही नहीं। न उसे टाइम पर खाना नहीं मिल रहा, बीमार है तो घरवाले डॉक्टर को नहीं दिखा रहे और घर के फैसलों में तो खैर उसकी कोई पूछ ही नहीं रही। लड़के का रिश्ता ले लिया और उसे किसी ने पूछा भी नहीं। वैसे हरेक आदमी तभी तक भला है, जब तक घर की बात घर में रहती है। घर की बात जरा-सी बाहर गयी नहीं कि हर कोई उंगली उठाने लगता है।

अब बताओ भैया, जमाना यह आ गया है कि हमेशा संस्कारों की बात करने वाली भाजपा को आजकल राहुलजी संस्कार सिखा रहे हैं कि बुजुर्गों की कुछ तो इज्जत करते। वक्त-वक्त की बात है साहब। वरना जो हमेशा हिंदू संस्कृति में आकंठ डूबे रहे, उन्हीं से राहुलजी सवाल कर रहे हैं कि बुजुर्गों को घर से निकाल कर कौन-सी हिंदू संस्कृति की रक्षा कर रहे हो भैया।

वैसे भाजपा के बुजुर्ग भी कम नहीं। ऐसे-वैसे होते तो वक्त का फेर देखकर चुप होकर बैठ जाते। आराम से जग का मुजरा देखते। पर उन्होंने जैसे अपना बुड्ढा दल बना लिया है। जो जोशीजी, आडवाणीजी से मिलना तक गवारा नहीं करते थे, वे अब साथ बैठकर हुक्का गुड़गुड़ाते हैं। जाहिर है कि वे कोई देहाती बुड्ढे तो नहीं हैं कि अपनी उपेक्षा पर दिन-रात घरवालों को गालियां देते रहें। उन्हें कोसते रहें और पड़ोसियों को सुनाते रहें कि देखो मेरी कैसी बेकद्री हो रही है। वे बड़े ही सुसंस्कृत और संस्कारी बुड्ढे हैं। जाहिर है संघ के दिए संस्कार अभी तक काम आ रहे हैं।

सो आडवाणीजी ने ब्लॉग लिखकर अपना दर्द छलका दिया तो जोशीजी ने अपने मतदाताओं को चिट्ठी लिख दी कि भाई मेरी पार्टी वाले मुझे तो चुनाव लड़वा नहीं रहे। शांताकुमार तो वैसे भी लेखक ठहरे तो आपबीती लिख रहे हैं। उधर सुमित्रा महाजनजी हैं जो इतनी उदार हो गयीं कि अपनी पार्टी को कह दिया कि मैं तुम्हें दुविधा से मुक्त करती हूं। मुझे चुनाव नहीं लड़ना।

सभ्य समाज में अस्वीकार्य राजनीतिक आचरण

देश में लोकतंत्र का महापर्व मनाया जा रहा है। हर उत्तरदायी नागरिक अपने वोट से अपनी नयी सरकार चुनेगा। लोकसभा के प्रत्याशी और राजनीतिक दल मतदाता को लुभाने का हरसंभव प्रयास कर रहे हैं, और यह हमारे जनतंत्र की विशेषता है कि कुछ अपवादों को छोड़कर हर चुनाव में देश के मतदाता ने अपनी राजनीतिक सूझबूझ और परिपक्वता का बखूबी परिचय दिया है। लेकिन, इस दौरान, देश की राजनीतिक पार्टियों और राजनीति के माध्यम से जनता की सेवा का दावा करने वालों की सोच और व्यवहार में आयी फिसलन चिंता का विषय भी बनती रही है। जनतंत्र में विरोधी दुश्मन नहीं होता, पर हमारी राजनीति में विरोधी को दुश्मन मानने की परिपाटी-सी चल पड़ी है। यही नहीं, विरोधी को देश का दुश्मन निरूपित करने की जैसे एक परंपरा-सी बनती जा रही है। यह सब स्वस्थ राजनीति का संकेत नहीं है।

इसके साथ ही राजनीतिक व्यवहार में और राजनेताओं की कथनी-करनी में भी लगातार गिरावट देखी जा रही है। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर जिस तरह का उच्छृंखल व्यवहार हमारे राजनेता करने लगे है, वह चिंता का ही नहीं, शर्म का विषय भी बनता जा रहा है। देश की राजनीति में संभवत- पहली बार एक राज्य के मुख्यमंत्री समेत विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं पर चुनाव आयोग ने सज़ा के रूप में एक निश्चित अवधि के लिए चुनाव-प्रचार पर रोक लगा दी है। चिंता की बात यह भी है कि उच्चतम न्यायालय की फटकार के बाद चुनाव आयोग ने यह कार्रवाई की है। हालांकि आयोग ने यह भी कहा है कि इस संदर्भ में कोई कड़ी कार्रवाई करने का उसके पास अधिकार नहीं है, लेकिन विचारणीय है कि किसी नेता के चुनाव-प्रचार पर रोक लगाने का मतलब उसका दोषी घोषित किया जाना ही होता है। लेकिन हमारी विडंबना यह है कि ऐसे अपराधी यह मानने के लिए तैयार ही नहीं हैं कि उन्होंने कुछ ग़लत किया है। ऐसे कई नेता हैं, जो विभिन्न अपराधों के लिए जेलों में बंद हैं, पर अपनी इस स्थिति पर उन्हें कोई शर्म नहीं है। वे अब भी यह मान रहे हैं कि उन्होंने कोई अपराध नहीं किया है। सच तो यह है कि हमारे ये नेता मानते हैं कि उनसे कोई अपराध हो ही नहीं सकता। जबकि हकीकत यह है कि उनके इन कथित ग़लत कामों में घूसखोरी से लेकर अभद्र भाषा का इस्तेमाल तक के अपराध शामिल हैं। यह एक पीड़ादायक सच्चाई है कि चुनाव-दर-चुनाव हम अपने नेताओं के व्यवहार में गिरावट को बढ़ता हुआ देख रहे हैं। इसी चुनाव में हमने देखा कि नेता सरेआम एक-दूसरे पर चप्पलें चला रहे हैं, अभद्र भाषा का प्रयोग कर रहे हैं, सभ्य समाज में अस्वीकार्य अनुचित टिप्पणियां कर रहे हैं। देश के प्रधानमंत्री तक को चोर कहा जा रहा है, और यह पहली बार नहीं हो रहा- आज 'चौकीदार चोर है' का नारा लगवाया जा रहा है। इससे पहले, राजीव गांधी के प्रधानमंत्रित्व के दौरान उन्हें नाम लेकर चोर कहा गया था। किसी सभ्य समाज में या फिर किसी परिपक्व जनतंत्र में राजनेताओं से इस तरह के व्यवहार की अपेक्षा नहीं की जाती। और यदि ऐसा हो रहा है तो इसका अर्थ यह है कि हमारी राजनीति और हमारे राजनेताओं के स्तर में गिरावट आ रही है।

राजनीति आज भी सिद्धांतों और मूल्यों के नाम पर ही की जाती है, पर हमारी आज की राजनीति में सिद्धांतों या मूल्यों या आदर्शों के लिए कोई जगह बची नहीं है। रातोंरात दलीय निष्ठाएं बदल जाती हैं। न दलबदल करने वालों को शर्म आती है और न ही दलबदल करवाने वालों को। मालाएं पहनाकर अब तक के विरोधियों

दो सप्ताह बाद फीकी पड़ी सोने की चमक

नयी दिल्ली। दिल्ली सर्राफा बाजार में पिछले सप्ताह सोने की दो सप्ताह से जारी तेजी पर ब्रेक लग गया और यह 150 रुपये की साप्ताहिक गिरावट में 32,670 रुपये प्रति दस ग्राम रह गया। वहीं, चाँदी 420 रुपये मजबूत होकर 38,600 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुँच गयी।

विदेशों में पीली धातु पर रहे दबाव का असर भी स्थानीय बाजार में दिखा। लंदन एवं न्यूयॉर्क से मिली जानकारी के अनुसार, वहाँ सोना हाजिर गत सप्ताह 14.70 डॉलर यानी 1.14 प्रतिशत लुढ़ककर 1,275.60 डॉलर प्रति औंस रह गया। जून का अमेरिकी सोना वायदा भी 1.21 प्रतिशत की गिरावट में सप्ताहांत पर 1,277.90 डॉलर प्रति औंस पर आ गया। बाजार विश्लेषकों ने बताया कि वैश्विक स्तर पर मजबूत आर्थिक आँकड़े आने और अमेरिका तथा चीन के बीच व्यापार तनाव कम करने को लेकर प्रगति की उम्मीद में निवेशकों ने सोने की बजाय पूँजी बाजार में निवेश किया है। इससे पीली धातु दबाव में आ गयी। सोने के विपरीत अंतर्राष्ट्रीय बाजार में चाँदी 0.33 प्रतिशत चढ़कर 14.99 डॉलर प्रति औंस पर बंद हुई। शुक्रवार को गुड फ्राइडे के अवकाश के कारण पिछले सप्ताह अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में चार दिन ही कारोबार हुआ।

देश का विदेशी पूंजी भंडार 1.10 अरब डॉलर बढ़ा

नई दिल्ली। देश का विदेशी पूंजी भंडार 19 अप्रैल को समाप्त सप्ताह में 1.10 अरब डॉलर बढ़कर 414.88 अरब डॉलर हो गया, जो 28,758.0 अरब रुपये के बराबर है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की ओर से जारी साप्ताहिक आंकड़े के अनुसार, विदेशी पूंजी भंडार का सबसे बड़ा घटक विदेशी मुद्रा भंडार आलोच्य सप्ताह में 64.64 करोड़ डॉलर बढ़कर 386.76 अरब डॉलर हो गया, जो 26,811.9 अरब रुपये के बराबर है। बैंक के मुताबिक, विदेशी मुद्रा भंडार को डॉलर में व्यक्त किया जाता है और इस पर भंडार में मौजूद पाउंड, स्टर्लिंग, येन जैसी अंतर्राष्ट्रीय मुद्राओं के मूल्यों में होने वाले उतार-चढ़ाव का सीधा असर पड़ता है।

एयर इंडिया जेट के सह-पायलटों को भर्ती करे, न कि महंगे कैप्टन्स को: आईपीजी

चेन्नई। एयर इंडिया के पायलटों के संगठन, इंडियन पायलट्स गिल्ड (आईपीजी) ने शनिवार को राष्ट्रीय विमानन कंपनी के प्रबंधन से आग्रह किया कि वे ऊंची लागत वाले कैप्टन्स को भर्ती करने के बजाए बोइंग 777 (बी-777) रेटिंग वाले सह-पायलटों को अल्पकालिक अनुबंध पर भर्ती करें।

एयर इंडिया के परिचालन निदेशक को लिखे पत्र में आईपीजी ने एयरलाइन द्वारा बी-777 रेटिंग वाले कैप्टन्स और सह-पायलटों की अनुबंध आधार पर भर्ती की योजना का हवाला दिया और कहा कि कठिन वित्तीय स्थिति से जूझ रही कंपनी के लिए यह धन की घोर बर्बादी होगी। उन्होंने पत्र में कहा है, वर्तमान में बोइंग 777 बेड़े में करीब 219 कैप्टन्स और 110 फर्स्ट ऑफिसर्स हैं। यह संख्या बेड़े के 70 घंटों (प्रति माह) के औसत के हिसाब से पर्याप्त है। उन्होंने कहा, हमारे पास लगभग 40 कैप्टन हैं।

धवन का निडर होकर खेलना हमारी मदद कर रहा है : श्रेयस अय्यर

नई दिल्ली। किंग्स इलेवन पंजाब के खिलाफ शनिवार को यहां पांच विकेट से अहम जीत दर्ज करने के बाद दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान श्रेयस अय्यर ने माना कि सलामी बल्लेबाज शिखर धवन का निडर होकर क्रिकेट खेलना उनकी टीम की काफी मदद कर रहा है। धवन (56) और अय्यर (नाबाद 58) की बेहतरीन पारी के दम पर दिल्ली ने फिरोज शाह कोटला मैदान में हुए मुकाबले में पंजाब को हराया।

मैच के बाद अय्यर ने कहा, धवन ने हमें बेहतरीन शुरुआत दिलाई और इससे आने वाले बल्लेबाजों के लिए स्थिति आसान हो गई। हम चाहते हैं कि हमारे शीर्ष क्रम के बल्लेबाज निडर होकर क्रिकेट खेलें और ऐसा ही हुआ। धवन इस सीजन की शुरुआत से निडर होकर खेल रहे हैं और इससे हमें बहुत मदद मिली है।

अय्यर ने मुकाबले को जीतने पर भी अपनी खुशी जाहिर की। अय्यन ने कहा, घरेलू मैदान पर तीन हार झेलने के बाद यह मैच जीतकर मैं बहुत खुश हूं। जिस तरह से हम खेले, वह देखकर हमें बहुत अच्छा लगा। इस दमदार जीत के बाद तालिका में तीसरे पायदान पर काबिज दिल्ली की टीम के कुल 12 अंक हो गए हैं। वह रन रेट के आधार पर दूसरे स्थान पर मौजूद मुंबई इंडियंस से पीछे हैं।

धीमे ओवर-रेट के कारण अश्विन पर लगा 12 लाख रुपए का जुर्माना

नई दिल्ली। किंग्स इलेवन पंजाब के कप्तान रविचंद्रन अश्विन पर दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ हुए इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के मैच में धीमे ओवर-रेट के कारण जुर्माना लगा है।

अश्विन को फिरोज शाह कोटला मैदान पर शनिवार को हुए मुकाबले में धीमे ओवर-रेट की वजह से जुर्माने के तौर पर 12 लाख रुपये का भुगतान करना होगा। मुकाबला हालांकि, आधी रात से सात मिनट पहले की समाप्त हो गया। धवन (56) और अय्यर (नाबाद 58) की बेहतरीन पारी के दम पर दिल्ली ने पंजाब को मैच में पांच विकेट से करारी शिकस्त दी।

इस दमदार जीत के बाद तालिका में तीसरे पायदान पर काबिज दिल्ली की टीम के कुल 12 अंक हो गए हैं। वह रन रेट के आधार पर दूसरे स्थान पर मौजूद मुंबई इंडियंस से पीछे हैं। दूसरी ओर, दिल्ली के खिलाफ हार झेलने के कारण पंजाब की टीम तालिका में 10 अंकों के साथ चौथे स्थान पर काबिज है।

कप्तान बदलते ही राजस्थान रॉयल्स ने मुंबई को पांच विकेट से हराया

जयपुर। लगातार हार से निराश राजस्थान रॉयल्स को अपना कप्तान बदलने का फायदा मिला और उसे मुंबई इंडियंस के खिलाफ शनिवार को आईपीएल-12 मुकाबले में महत्वपूर्ण जीत मिल गयी। राजस्थान ने इस मुकाबले में मुंबई को पांच विकेट से हराकर टूर्नामेंट में नौ मैचों में तीसरी जीत हासिल की जिससे उसकी उम्मीदें बनी हुई हैं। राजस्थान ने इस मुकाबले से पहले अजिंक्या रहाणे को हटाकर ऑस्ट्रेलिया के स्टीवन स्मिथ को फिर से कप्तान बनाया और उसका यह दांव काम कर गया। मुंबई को पांच विकेट पर 161 रन पर रोकने के बाद राजस्थान ने स्मिथ के नाबाद 59 और 17 साल के युवा बल्लेबाज रियान पराग की 43 रन के बेहतरीन पारी से पांच विकेट पर 162 रन बनाकर उम्मीदों को जिन्दा रखने वाली जीत हासिल कर ली। राजस्थान की नौ मैचों में यह तीसरी जीत है और उसके छह अंक हो गए हैं। हालांकि प्लेऑफ में जाने के लिए राजस्थान को अपने शेष पांचों मैच जीतने होंगे। दूसरी तरफ मुंबई को 10 मैचों में चौथी हार का सामना करना पड़ा।

आज का राशिफल

मेष: आज आपका दिन आमोद-प्रमोद में बीतेगा। नए वस्त्रों की खरीददारी का योग है। मान-सम्मान प्राप्त होगा, मनोरंजन एवं आनंददायक दिन।

वृषभ: आज आपका धन जरूरी वस्तुओं पर ही खर्च होगा। स्वास्थ्य में सुधार आएगा।

मिथुन: आज साहित्य एवं कला में आपकी रुचि रहेगी और मन में कल्पना की तरंगे उठेंगी। बौद्धिक चर्चाओं में साझेदारी अवश्य लें, कार्य पूर्ण होंगे।

कर्क: आज आपका स्वास्थ्य प्रतिकूल रहेगा। परिवार में वाद-विवाद का वातावरण बन सकता है, जिससे मन खिन्न रहेगा, संयम पूर्वक कार्य करें।

सिंह: मानसिक रूप से आज आप बहुत हल्कापन महसूस करेंगे। आपके मन पर छाए हुए चिंता के बादल हटने से आपके उत्साह में वृद्धि होगी।

कन्या: ग्रह-नक्षत्र आज आपको धन के लेन-देने पर सावधानी बरतने की सलाह दे रहे हैं। नकारात्मक विचारों को मन में उठने न दें।

तुला: आज आपका दिन अनुकूल रहेगा। तन-मन से स्वस्थ होकर कार्य कर पाएंगे, जिससे कार्य में उत्साह एवं उर्जा अनुभव करेंगे।

वृश्चिक: आज किसी से पैसों की लेन-देन न करें और किसी का उधार भी न दें। निर्णय शक्ति के अभाव में मन में दुविधा बढ़ सकती है, जिससे चिंता में वृद्धि होगी।

धनु: आज आपका दिन बहुत लाभदायी है। व्यापार या नौकरी में लाभ होगा, आय में वृद्धि होगी।

मकर: आज आप हर काम सरलता से संपन्न कर पाएंगे, नौकरी में उच्च पदाधिकारी खुश रहेंगे। आपके प्रमोशन के योग हैं, कार्य संदर्भ में यात्रा करनी पड़ सकती है।

कुंभ: आज आपके धार्मिक एवं मांगलिक कार्यों में व्यस्त रहने की आशंकाएं हैं।

मीन: सावधानी पूर्वक कार्य आज आपको सफलता दिलाएगा। जरा सी लापरवाही आपको नुकसान पहुंचा सकती है।

टेस्टी नारियल पुलाव

सामग्री :

2 कप बासमती चावल
2 प्याज
ल ह सु न की 6 कलियां
1 कप बटर बीन्स (पके हुए)
2 तेज पत्ता
3 लौंग, 2 इलायची, 1 दालचीनी, तेल, कटे हुए पुदीना के पत्ते, इसे पीसें, आधा कप पुदीना के पत्ते, 1 कप सूखा नारियल, 6 हरी मिर्च

बनाने की विधि = सबसे पहले पुदीने के पत्ते, नारियल और हरी मिर्च को मिलाकर पीस कर पेस्ट बना लें। फिर मसालेदार पीसे नारियल में और पानी मिला कर नारियल का मिश्रण 4 कप बना कर रख लें। अब एक प्रेशर कुकर में पर्याप्त तेल को गरम करें। फिर पूरे मसाले को तब तक भूनें जब तक वे भूरे रंग में ना बदल जाएं। अब इसमें लहसुन, लौंग डाल कर तब तक भूनें जब तक वे भूरे रंग में बदल जाएं। अब इसमें कटा हुआ प्याज और सॉस डाल कर तब तक तलें जब तक प्याज भूरें रंग के हो जाए। फिर इसमें चावल और सॉस मिलाकर भूनें। फिर इसमें बटर बीन्स मिलाएं। अब इसमें मसालेदार नारियल का दूध मिलाएं। इसके बाद चावल में नमक मिलाएं। अब धीमी आंच पर इसे पकाएं। अब इसमें कटा हुआ पुदीना मिलाकर पुलाव को चलाएं। अब इसे रायते के साथ सर्व करें।

शब्द सामर्थ्य-41

बाएं से दाएं

1. तकलीफ, कष्ट, कठिनाई, परेशानी 3. सरल, सहज 6. ज्ञान प्राप्त करना, शिक्षा लेना 7. विवश, लाचार 8. अत्यधिक ठंडा, सुस्त 9. अच्छे ढंग में गाया जाने वाला सुंदर गीत 11. सूर्य, सूरज 13. वस्त्र आदि धारण कराना 15. अप्रसन्न, नाखुश 16. खिंचाव, आकर्षण शक्ति (उ.) 18. एक रंग, आसमानी रंग 22. सेवा-सत्कार, आवभगत 23. सर्प, सांप, लकड़ी आदि की मूर्ति बनाना।

ऊपर से नीचे

1. हृदर, उर 2. शिष्टता, भद्रता, विवेक (उ.) 3. अंततः, अंततोगत्वा 4. अच्छी शिक्षा, नेक सलाह 5. आवागमन, गमनागमन 7. पुरुष 8. घोड़े की तेज चाल, तेज गति की दौड़ 10. लूटपाट, डकैती 12. बबार्दी, तबाही 14. नासिका, श्वसनइंद्रीय 17. आखेटक, अरेही 19. योग्य, काबिल 20. कामदेव की पत्नी, प्रेम, आनंद 21. रात्रि, निशा।

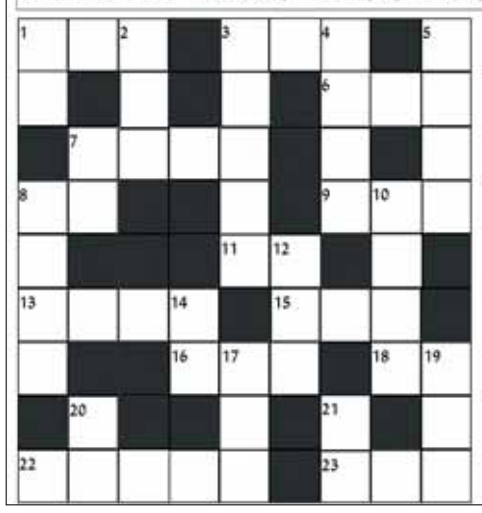

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 40 का हल

चु	स्त		मु		सं	स्था	न	
ग		म	र्दा	न	गी		त	म
ली	प	ना			त	न		
	ना	ना					ज	
मा	ह		रा		सा	ज	न	
न		स	ह	दे	व		म	द
व		म		व	न	ज		ल
ता	क	त	व	र		मी		द
	ल	ल	क		क	र	त	ल

सू-दोकू-41

	9		1	6		2		7
3								
		6					9	
7			5		1		3	
	8			9		6		2
		4					7	
	3				2	9		6
6		7	3					4
	4			1		7	8	

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.40 का हल

2	6	3	9	8	7	1	5	4
8	5	1	3	2	4	6	7	9
9	4	7	1	5	6	8	2	3
3	9	8	6	7	1	5	4	2
6	1	2	5	4	3	9	8	7
5	7	4	8	9	2	3	1	6
1	2	6	7	3	5	4	9	8
4	8	5	2	6	9	7	3	1
7	3	9	4	1	8	2	6	5